.. viiramaNikaNThaa ..

॥ वीरमणिकण्ठा ॥

करिवरानुज कलियुग वरदा वीरमणिकण्ठा, वीरमणिकण्ठा,
अनाथनाथा दीन बन्धो शबरिगिरीश,
अनाथ नाथ दीन बन्धो शबरि गिरीश

नित्य निर्मला निषाद वीर्या वीर मणिकण्ठ ।
चतुर्मुख पूज्य नाद स्वरूप वीर मणिकण्ठ ।
मदगज वाहा मन्मथ रूपा वीर मणिकण्ठ ।
कलिमल नाशन कीर्तनप्रिय वीर मणिकण्ठ ।
सत्य स्वरूप ताण्डवप्रिय वीर मणिकण्ठ ।
योगानन्द योगि कुल वीर्य वीर मणिकण्ठ ।
मोहिनि सुत मोहन रूप वीर मणिकण्ठ ।
भूमि प्रपञ्च भूसुर रक्षक वीर मणिकण्ठ ।
विल्लरि वीरा विजय कुमारा वीर मणिकण्ठ ।
भक्तवत्सला परम दयाला वीर मणिकण्ठ ।
शबरि गिरीशा सुगुण प्रतापा वीर मणिकण्ठ ।
कोमलरूपा श्यामल वर्णा वीर मणिकण्ठ ।
अनाथ रक्षक आपत्बान्धव वीर मणिकण्ठ ।
मणिमय भूष मञ्जुल भाषा वीर मणिकण्ठ ।
कान्त गिरीशा कानन प्रिय वीर मणिकण्ठ ।
पुण्यश्लोका पुष्कला कान्त वीर मणिकण्ठ ।
शम्बु कुमारा षण्मुख सोदर वीर मणिकण्ठ,
वीरमणिकण्ठा,
अनाथनाथा दीन बन्धो शबरिगिरीश,
अनाथ नाथ दीन बन्धो शबरि गिरीश ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated April 17, 2007